History → थानेश्वर का पुष्यभूति वंश (वर्धन वंश)

Pushyabhuti dynasty of thaneshwar (Vardhan dynasty)

संस्थापक / Foumder → पुष्यभूति / Pushyabhuti

जाति / Caste → वैश्य / Vaishya

सामान्त / Samant → गुप्तों का →

हूणों के आक्रमण के बाद पुष्यभूति ने स्वयं को आजाद घोषित किया।

Note:- कुछ इतिहासकारों / Historians → पुष्यभूति को "अवन्तिवर्मन" का सामान्त बताया।

King → मौखरिवंश / Maukhari dynasty

⇒ पुष्यभूति वंश में
in the pushyabhuti dynasty →

- नरवर्धन / Narvardhan
- आदित्यवर्धन / Aditya vardhan.
- प्रभाकर वर्धन / Prabhakar vardhan.

3 बच्चे / children

(i) राज्यवर्धन / Rajyavardhan
(ii) राज्यश्री / Rajyashree
(iii) हर्षवर्धन / Harshvardhan.

⇒ राज्यश्री का विवाह - मौखरि शासक ग्रहवर्मा के साथ
Marriag of Rajyashree with maukhari Rule Grahvarma.

⇒ शशांक एवं देवगुप्त ने मौखरि शासक - ग्रहवर्मा की हत्या की।
Shashank and devgupta murdered to Maukhari Rule Grahvarma

⇒ राज्यवर्धन ने देवगुप्त की हत्या की। Rajyavardhan murdered Devgupta.

⇒ शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या की।

⇒ हर्षवर्धन ने शशांक की हत्या की।

↳ गौड़ शासक | Gaud ruler (पं० बंगाल | west Bengal
↳ जिसने बौधि वृक्ष (पीपल) कटवाया।

हर्षवर्धन (Harshvarradha) → 606 ई-647 ई०)

धानेश्वर की गद्दी / throne of Thaneshwar → 16 वर्ष / years

ह्वेनसांग ने हर्षवर्धन को शिलादित्या कहा
Hiuen Tsang called Harshvardhan shiladitya

हर्षवर्धन की उपाधियां
Title of Harshvardhan

1. परमभट्टारक / Parambhattarak.
2. महाराजाधिराज / Maharajadhiraj.
3. चक्रवर्ती / Chakrawarti
4. परमेश्वर / Parameshwar.

पहले → थानेश्वर

हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी (capital) → कन्नौज (Kannauj)

⇓

5 राज्य → उत्तर भारत / North India

(i) पंजाब
(2) कन्नौज
(3) गौड (बंगाल)
(4) मिथिला (बिहार)
(5) उड़ीशा

शासन / Rule → हर्षवर्धन

⇓

पुत्री / Daughter की शादी / Marriage → वल्लभी शासक ध्रुवसेन II / Vallabhi rule Dhruva sen

⇒ पुलकेशिन II ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी किनारे पर पराजित किया | (618 ई०)

वर्णन / Mention → ऐहोल प्रशस्ति / Aihole prashasti

⇒ हर्ष ने कश्मीर पर आक्रमण किया वहां से भगवान बुद्ध का दांत लाकर संघाराम में स्थापित किया।
Harsh attacked Kashmir and installed the tooth of Lord Buddha in Sangharam.

कन्नौज

हर्षवर्धन की मृत्यु → 647 ई०
Death of Harshvardhan